



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 150 ]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 15, 2002/ज्येष्ठ 25, 1924

No. 150]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 15, 2002/JYAISTHA 25, 1924

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जून, 2002

नियम

सं. 11013/1/2002-आई. ई. एस.— भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-4 में रिक्तियों को भरने के लिए 2002 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ी श्रेणियों और शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा यथानिर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार का या तो :—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा में पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया या वियतनाम से प्रपजन कर आया हो।

परन्तु उपरोक्त (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होनी चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पत्रता प्रमाण-पत्र अवश्य हों उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है, किन्तु भारत सरकार द्वारा उसके संबंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही उसको नियुक्ति प्रस्ताव भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 2002 को 21 वर्ष की होनी चाहिए किन्तु 30 वर्ष की नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1972 से पहले और 1 जनवरी, 1981 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (2) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के लिए पात्र हैं;
- (3) ऐसे उम्मीदवार के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान

- साधारणतया जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (5) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 2002 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 2002 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (6) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों, अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 जनवरी, 2002 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जपन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष तक;
- (7) नेत्रहीन, मूक-बधिर तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष।

**टिप्पणी I :—**अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त नियम 6(ख) के किन्हीं अन्य खंडों, अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास करने वाले व्यक्तियों की श्रेणी के अन्तर्गत आते हों, दोनों श्रेणियों के अन्तर्गत दो जाने वाली संख्यी आयु सीमा छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

**टिप्पणी II :—**भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

**टिप्पणी III :—**आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित वे भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन अधिकारी, जो स्वयं के अनुरोध पर सेवामुक्त हुए हैं, उन्हें उपर्युक्त नियम 5(ख), (5) तथा (6) के अधीन आयु सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

**टिप्पणी IV :—**उपर्युक्त नियम 6(ख)(7) के अन्तर्गत आयु में छूट के बावजूद शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार की नियुक्ति

हेतु पात्रता पर तभी विचार किया जा सकता है जब वह (सरकार या निपोकता प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षण के बाद) सरकार द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को आर्बिट्ररी संबंधित सेवाओं/पदों के लिए निर्धारित शारीरिक एवं चिकित्सा मानकों की अपेक्षाओं को पूरा करता हो।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज हो।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, रापथ पत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनुच्छेद के इस भाग में आये "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा" प्रमाण पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्र सम्मिलित है।

**टिप्पणी 1 :** उम्मीदवारों को ध्यान में रखना चाहिये कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है और इसके बाद में उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जायेगा और न स्वीकार किया जायेगा।

**टिप्पणी 2 :** उम्मीदवार यह भी ध्यान रखे कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने के और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में किसी भी आधार पर परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. परीक्षा में प्रवेश हेतु भारतीय अर्थ सेवा के लिये उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम, द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र/प्रयोगिक अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र/अर्थशास्त्र सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिये अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिये।

**टिप्पणी 1 :** यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो, परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति

अन्तिम मानी जायेगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्त कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 : जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है तथा जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवेका पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित मौसम अवश्य देनी होगी।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचयन (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिये कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिये आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जा सकती है।

9. किसी उम्मीदवार का आवेदन स्वीकार करने और परीक्षा में प्रवेश के लिये उसकी योग्यता या अयोग्यता के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं। परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिये आयोग में उन्हें प्रवेश दिया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण, में उनका प्रवेश पूर्णतः अनन्तिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा। यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिये उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा

- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख दिये हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे दस्तावेज दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं में असंगत बातें लिखी हो, जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को भेजे गये परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ परीक्षा अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपरोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवप्रेरित करने का प्रयास किया हो तो उस पर अधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क)\* आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिये अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिये—

- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है,

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलायेगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों, इन जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये नहीं बुलाये जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जा सकता है।

13 (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अन्तिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से प्रत्येक सेवा के लिये उम्मीदवारों की मुची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिये अनुशंसा करेगा जिन्हें, इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर उनकी अनुशंसा की जा सकती है बशर्त कि ये उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के जिन उम्मीदवारों की अनुशंसा आयोग द्वारा परीक्षा के किसी भी चरण में अर्हता या चयन मापदण्डों में रियायत/छूट दिये बिना की जाती है, उनका समायोजन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी श्रेणियों के लिये आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जायेगा।

14. शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों हेतु आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें परीक्षा के सभी स्तरों पर आयोग के विवेकानुसार निर्धारित अर्हता स्तर में छूट दी जायेगी। तथापि यदि शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार का आयोग द्वारा सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों हेतु निर्धारित स्तर पर अपेक्षित संख्या में अपनी योग्यता पर चयन होता है तो आयोग द्वारा रियायती स्तर पर अतिरिक्त शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों अर्थात् उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या से अधिक की अनुशंसा नहीं की जाएगी।

15. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाये, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा तथा आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह

सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। सरकार या नियुक्ति प्रधिकारी द्वारा जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाता है कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये आयोग द्वारा बुलाये गये उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा भाग-I कराई जायेगी तथा इस परीक्षा के आधार पर अन्तिम रूप से सफल घोषित किए जाने पर चिकित्सा परीक्षा भाग-II कराई जायेगी। भाग-I तथा भाग-II के चिकित्सा परीक्षण विवरण इन नियमावली के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। उम्मीदवार को अपीलिय मामले के अलावा चिकित्सा परीक्षा के लिए चिकित्सा बोर्ड का कोई शुल्क नहीं देना होगा।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि ये परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार को किसी प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, उसके ब्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट में दिये गये हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को सेवा की आवश्यकता के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जायेगी।

18. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों पर विचार किए जाने के लिए उनकी अक्षमता चालीस प्रतिशत (40%) या उससे अधिक होनी चाहिए। तथापि ऐसे उम्मीदवारों से निम्नलिखित शारीरिक अपेक्षाओं/क्षमताओं में से एक या अधिक जो संबंधित सेवाओं/पदों में कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक हो, पूरी करने की अपेक्षा की जायेगी।

कोड	शारीरिक अपेक्षाएं
एफ (F)	1. हस्तकौशल (अंगुलियों में) द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्य।
पी पी (P P)	2. खींच कर तथा उसके द्वारा किए जाने वाले कार्य।
एल (L)	3. उठाकर किए जाने वाले कार्य।
के सी (K C)	4. घुटने के बल बैठकर तथा काउंचिंग द्वारा किए जाने वाले कार्य।
बी (B)	5. झुककर किए जाने वाले कार्य।
एस (S)	6. बैठकर (बेंच या कुर्सी पर) किए जाने वाले कार्य।
एस टी (S T)	7. खड़े होकर किए जाने वाले कार्य।
डब्ल्यू (W)	8. चलते हुए किए जाने वाले कार्य।
एस ई (S E)	9. देखकर किए जाने वाले कार्य।
एच (H)	10. सुनकर/बोलकर किए जाने वाले कार्य।
आर डब्ल्यू (RW)	11. पढ़कर तथा लिखकर किए जाने वाले कार्य।

संबंधित सेवा की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके मामलों में कार्यात्मक वर्गीकरण निम्नलिखित में से एक या अधिक होगा:-

### कार्यात्मक वर्गीकरण

कोड	कार्य
बी एल (BL)	1. दोनों पैर खराब लेकिन भुजाएं नहीं।
बी ए (BA)	2. दोनों भुजाएं खराब- क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता
बी एल ए (BLA)	3. दोनों पैर तथा दोनों भुजाएं खराब।
ओ एल (OL)	4. एक पैर खराब (दायां या बायां)- क. दुर्बल पहुंच ख. पकड़ की दुर्बलता ग. ऐंटेकिसक
ओ ए (OA)	5. एक भुजा खराब (दाईं या बाईं) -वही-
बी एच (BH)	6. सख्त पीठ तथा कूल्हे (बैठ या झुक नहीं सकते।)
एम डब्ल्यू (MW)	7. मांसपेशीय दुर्बलता तथा सीमित शारीरिक सहनशक्ति।
बी (B)	8. नेत्रहीन।
पी बी (PB)	9. आंशिक नेत्रहीन।
डी (D)	10. बधिर।
पी डी (PD)	11. आंशिक बधिर।

19. जिस व्यक्ति ने-

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबन्ध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबन्ध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं माना जायेगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिस सेवा के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

योगेश चन्द्र, सलाहकार

### परिशिष्ट-1

### परीक्षा की योजना

#### खण्ड-1

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग 1—के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय, पूर्णांक 1000 होंगे।

भाग 2—आयोग द्वारा जिस उम्मीदवार को बुलाया जाता है उनके लिये मौखिक परीक्षा जिसके पूर्णांक 200 होंगे।

भाग-1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय, प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिये निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

### भारतीय अर्थ सेवा

क्रम संख्या	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
1	2	3	4
1.	सामान्य अंग्रेजी	100	3 घण्टे
2.	सामान्य अध्ययन	100	3 घण्टे
3.	सामान्य अर्थ शास्त्र-I	200	3 घण्टे
4.	सामान्य अर्थ शास्त्र-II	200	3 घण्टे
5.	सामान्य अर्थ शास्त्र-III	200	3 घण्टे
6.	भारतीय अर्थ शास्त्र	200	3 घण्टे

नोट :—परीक्षा के लिये निर्धारित स्तर तथा पाठ्यक्रम का विवरण नीचे खण्ड-2 में दिये गये हैं।

2. सभी विषयों के प्रश्न पत्र परम्परागत (निबन्ध) प्रकार के होंगे।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर, अंग्रेजी में लिखने चाहिये। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न पत्रों में यथा आवश्यक एस. आई. इकाइयों का प्रयोग किया जाएगा।

10. उम्मीदवारों को बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

## भाग—2

**मौखिक परीक्षा—**उम्मीदवार का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीय जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य उक्त सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता जांचनी होगी। साक्षात्कार उम्मीदवार की सामान्य तथा विशिष्ट ज्ञान के परीक्षण तथा क्षमता को जांचने के लिए लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याध्यन के विशेष विषयों में ही सूक्ष्मज्ञ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं अपितु स्वाभाविक निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

## खंड—2

### परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्य के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं के विशेष रूप से परिचित हों।

### सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे कि जिससे उनके अंग्रेजी भाषा का ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके। संक्षेपण अथवा सारलेखन के लिए सामान्यतः गद्यांश दिए जाएंगे।

### सामान्य अध्ययन

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा दैनिक अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसमें किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन किया हो। इस प्रश्न-पत्र में देश की राजनीतिक प्रणाली सहित भारतीय राज्य व्यवस्था और भारत का संविधान, भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

### सामान्य अर्थशास्त्र-1

1. उपभोक्ता की माँग का सिद्धान्त : मूलधार उपभोक्ता विश्लेषण, अनधिमान वक्र, विश्लेषण-आय एवं स्थानापन्न प्रभाव, स्लूटस्की प्रमेय, श्रुत अधिमान उपागम।

2. उत्पादक के सिद्धान्त :—उत्पादन के कारण-उत्पादन फलन, उत्पादन फलन के रूप : कॉब-डगलस, स्थिर लोच स्थानापन्नता (सी. ई. एस.) तथा नियत गुणांक प्ररूप-प्रतिफल के नियम-अनुमाप प्रतिफल तथा कारक संबंधी प्रतिफल-आंशिक संतुलन बनाम सामान्य संतुलन उपागम-प्रतिष्ठान (फर्म) तथा उद्योग का संतुलन।

3. मूल्य के सिद्धान्त : विभिन्न बाजार व्यवस्थाओं (जैसे पूर्ण स्पर्धा, एकाधिकार, एकाधिकार स्पर्धा तथा अल्पाधिकार) के अन्तर्गत कीमत निर्धारण। लोकोपयोगी कीमत निर्धारण-सीमांत लागत कीमत निर्धारण, चरम भार कीमत निर्धारण।

4. वितरण के सिद्धान्त : रिकार्डों, मार्क्स, केलेकी, कॉल्डोर के समष्टि वितरण सिद्धान्त—नव-क्लासिकी उपागम : कारकों की कीमत निर्धारण के लिए सीमांत उपयोगिता।

सिद्धान्त—कारकों का योगदान तथा उनके समूहन की समस्या—ऑयलर प्रमेय—अपूर्ण स्पर्धा के अन्तर्गत कारकों का मूल्य निर्धारण।

5. कल्याणमूलक अर्थशास्त्र : अंतर्व्यक्तिक तुलना तथा समूहन की समस्या सामाजिक तथा वैयक्तिक कल्याण के बीच अपसरण प्रतिपूर्ति सिद्धान्त, पैरेटो का इष्टतमवाद, सामाजिक वरेणा तथा कोर्स, सेन सहित अन्य विचारधाराएं।

6. राष्ट्रीय आय तथा सामाजिक लेखाकरण की अवधारणा : राष्ट्रीय आय निर्धारण—सरकारी क्षेत्रक तथा अन्तर्राष्ट्रीय लेन-देन पर आधारित तीन प्रचालित मापों के अंतःसंबंध। आर्थिक कल्याण का माप—सामाजिक-आर्थिक संकेतक उपागम : पी.क्यू.एल.आइ. तथा मानव-विकास सूचकांक।

7. रोजगार, उत्पादन तथा मुद्रा स्फीति के सिद्धान्त—क्लासिकी एवं नव-क्लासिकी उपागम—कीन्स का रोजगार सिद्धान्त—कीन्सोत्तर विकास—स्फीति अन्तर—मांग-उत्प्रेरित बनाम लागत जन्य स्फीति—फिलिप वक्र तथा उसके नीतिगत निहितार्थ।

8. अर्थशास्त्र में गणितीय पद्धतियां: व्युत्पत्ति—व्युत्पत्ति के मूलभूत नियम तथा आर्थिक प्रकार्य में इनका अनुप्रयोग—इष्टतमोकरण (अवधारण)—आव्यूह (मैट्रिसेज) तथा अर्थशास्त्र में उनका अनुप्रयोग, निवेश-उत्पादन निदर्श (अवधारण), रैखिक प्रोग्रामन तथा उसका अनुप्रयोग।

**सामान्य अर्थशास्त्र—II**

1. आर्थिक वृद्धि एवं विकास की अवधारणा तथा उनका मापन—अल्प विकसित देशों की विशेषताएं तथा उनके विकास के अवरोध—आर्थिक विकास, गरीबी तथा आय वितरण—वृद्धि के सिद्धान्त: क्लासिकी उपागम : एडम स्मिथ, मार्क्स, शुम्पटर—नव-क्लासिक उपागम: रॉबिन्सन, सोली, कॉस्डोर, हैरोड-डोमर—आर्थिक विकास के सिद्धान्त रोस्टॉव, रोसेन्टिन—रोडेन, नर्क्स, हर्चमन, लेवैन्सटिन एवं आर्थर लेविस, एमिन एवं फ्रैंक (आश्रित विचारधारा), राज्य तथा बाजार की अपनी-अपनी भूमिकाएं।

2. अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा अभिलाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा आर्थिक विकास—अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त रिकार्डों, हबर्लर, हेक्सचर—ओहलिन तथा स्टॉपलर सैमुअलसन प्रशुल्क के सिद्धान्त—क्षेत्रीय व्यापार प्रबंधन।

3. भुगतान संतुलन: भुगतान संतुलन में विकृति, समायोजन तंत्र, विदेश व्यापार गुणक, विनियम दर आयात एवं विनियम निर्यात तथा अनेक दरों पर विनियम।

4. विश्वव्यापी संस्थाएं : संयुक्त राष्ट्र के अभिकरण, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व व्यापार संगठन, बहुराष्ट्रीय निगम।

5. मुद्रा एवं बैंकिंग : इसके कार्यकलाप एवं महत्व—मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त, नकद लेन-देन उपागम तथा शेष नकदी उपागम, मुद्रा-परिमाण सिद्धान्त की फाइडमन द्वारा पुनर्व्याख्या—मुद्रा निर्यात के उपाय—मुद्रा की तटस्थता—मुद्रा गुणक।

6. सांख्यिकीय एवं अर्थमितीय विधियाँ : औसत, परिक्षेपण सहसंबंध एवं समाश्रयण, काल श्रेणी, सूचकांक, प्रतिचयन एवं सर्वेक्षण विधियाँ, प्राक्कल्पना परीक्षण, सरल अप्राचलिक परीक्षण, विभिन्न रैखिक एवं अरैखिक फंक्शनों पर आधारित चक्ररेखन, न्यूनतम वर्ग विधियाँ, अन्य बहुचर विश्लेषण (केवल अवधारणा तथा परिणामों की व्याख्या : प्रसारण का विश्लेषण (ANOVA) कारक विश्लेषण, मुख्य घटक विश्लेषण, विभेदी विश्लेषण आय वितरण : पैरेटो का वितरण नियम—लघुगुणक प्रसामान्य वितरण, आय असमानता का मापन—लॉरेंज वक्र तथा जिनी गुणांक।

**सामान्य अर्थशास्त्र—III**

1. पर्यावरण अर्थशास्त्र : रोम का क्लब, फाउनक्स रिपोर्ट, स्टॉकहोम तथा रियोअर्थ सम्मेलन रिपोर्ट, जैव-विविधता सम्मेलन, क्लौरोफ्लोरो-कार्बन पर सॉन्ड्रियल उपसन्धि, वैश्विक तापन, बहिर्भाव, सार्वजनिक पदार्थ, विभिन्न प्रकार के पर्यावरणीय अपकर्ष का आर्थिक निहितार्थ—वायु, ध्वनि एवं जल प्रदूषण तथा अनवीकरणीय संसाधनों का निःशेषण, संसाधनों का लेखा-जोखा, जैव सम्पत्ति और सकल घरेलू उत्पाद निर्धारण एवं धारणीय विकास के संदर्भ में इसका ह्रास अथवा उत्कर्ष; उपाय—व्यवस्थापन, कराधान, बाजार—आधारित समाधान, जैसे निजीकरण एवं प्रदूषण अनुमति-पत्र।

2. नगरीकरण एवं अभिगमन—लेक्स, टोडारो; अनौपचारिक क्षेत्र, नगरीय श्रमिक बाजार, नगरों में निर्धनता।

3. परियोजना मूल्यांकन : परियोजना चयन के लिए मानदंड, आन्तरिक प्रतिफल दर, शुद्ध वर्तमान मूल्य तथा लाभ-लागत अनुपात बट्टा की सामाजिक दर-पूँजी, अकुशल श्रमिक तथा विदेशीय विनिमय

के आभासी मूल्य। भारत में परियोजना मूल्यांकन प्रणालियाँ।

4. वित्तीय एवं पूँजी बाजार : वित्तीय साधन एवं आर्थिक विकास—वित्तीय बाजार—वित्तीय बाजार—स्टॉक बाजार—गिल्ड बाजार—विदेश विनिमय बाजार — बैंकिंग एवं बीमा।

5. राजकोषीय नीति एवं उसका उद्देश्य : राजकोषीय नीति की सीमाएं—कराधान एवं व्यय के सिद्धान्त—सार्वजनिक व्यय के उद्देश्य एवं प्रभाव—कराधान का करदाताओं पर भार एवं प्रभाव—घाटे की वित्त व्यवस्था—सार्वजनिक ऋण के सिद्धान्त, ऋण प्रबन्धन ऋण के साथ वित्तीय एवं राजकोषीय नीति की पूरकता:।

6. राज्य, बाजार एवं नियोजन : योजना की अवधारणा और उसके रूप—विकासशील अर्थव्यवस्था में योजना का औचित्य—नियोजन की सीमाएं, नियमन की अर्थव्यवस्था, विकेंद्रित योजना पद्धति।

**भारतीय अर्थशास्त्र**

1. विकास एवं योजना का इतिहास—वैकल्पिक विकास नीतियाँ—आयात स्थानापत्ति पर आधारित आत्मनिर्भरता का उद्देश्य और स्थिरीकरण एवं संरचनात्मक समायोजन—संघेष्टन पर आधारित 1991 के बाद की वैष्ठीकरण नीतियाँ।

2. (क) विकेंद्रित आयोजन I : पंचायत का अनुभव—संवैधानिक दायित्व, बलवन्त राय मेहता समिति, अशोक मेहता समिति तथा अन्य विवरणिकाएं, संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधनों का वित्तीय पक्ष।

(ख) संघ राज्य के वित्तीय संबंध: राज्यों के वित्तीय एवं राजकोषीय अधिकारों के सम्बन्ध में संवैधानिक प्रावधान, सरकारिया समिति की विवरणिका का वित्तीय पक्ष, वित्त आयोग और राजस्व में भागीदारी के विषय में उनके सूत्र।

3. योजना-काल में निर्धनता, बेरोजगारी तथा मानव-विकास—सरकारी कार्यान्वयन का मूल्यांकन—विश्व के परिप्रेक्ष्य में भारत का मानव संसाधन विकास।

4. कृषि तथा ग्रामीण विकास : औद्योगिकी एवं संस्थान सम्बन्धी नीतियों सहित सभी रणनीतियाँ : भूमि सम्बन्ध तथा भूमि सुधार—ग्रामीण ऋण, कृषि निविष्टियाँ तथा विपणन। मूल्य नीति तथा उपदान—वाणिज्यीकरण तथा विशाखन। निर्धनता प्रशमन कार्यक्रम सहित सभी ग्रामीण विकास कार्यक्रम : सामाजिक एवं आर्थिक आधारिक संरचना का विकास।

5. नगरीकरण एवं प्रवगत के सम्बन्ध में भारत का अनुभव—प्रवासन के विभिन्न प्रकार और उद्भव तथा लक्ष्य स्थानों की अर्थव्यवस्था पर उनका प्रभाव, नगरीय अधिवास की विकास प्रक्रिया : नगरीय नीतियाँ।

6. उद्योग : औद्योगिक विकास की रणनीति: औद्योगिक नीति में सुधार; लघु उद्योगों के लिए आरक्षण नीति। उद्योगों के लिए वित्त स्रोत—बैंक, शेयर बाजार, बीमा कंपनियाँ, पेंशन निधियाँ, बैंकेतर स्रोत तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ; प्रत्यक्ष एवं सूचीगत निवेश में विदेशी पूँजी की भूमिका। सार्वजनिक क्षेत्र में सुधार, निजीकरण तथा विनिवेश।

7. श्रम : रोजगार, बेरोजगारी तथा आंशिक रोजगार—औद्योगिक सम्बन्ध तथा श्रम कल्याण—रोजगार संवर्धन के लिए रणनीति—नगरीय श्रम बाजार तथा अनौपचारिक-क्षेत्र में रोजगार; राष्ट्रीय श्रम आयोग की विवरणी; श्रम संबंधी सामाजिक मुद्दे, जैसे बाल-श्रम बंधुआ मजदूर।

8. विदेश व्यापार : भारत के विदेश व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—व्यापार की संरचना, दिशा तथा व्यवस्था व्यापार नीति सम्बन्धी अभिनय परिवर्तन; भुगतान संतुलन, प्रशुल्क (टैरिफ) नीति, विनियम दर तथा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की अपेक्षाएं।

9. मुद्रा तथा बैंकिंग : भारतीय मुद्रा बाजार की व्यापार संरचना भारतीय रिज़र्व बैंक, वाणिज्यिक बैंकों, विकास वित्तपोषण संस्थाओं, विदेशी बैंकों तथा बैंकेतर वित्तीय संस्थाओं की बदलती भूमिकाएं।

10. बजट निर्माण तथा मौद्रिक नीति : कर, व्यय बजटीय पाटा, ऋण और राजकोषीय सुधार। भारत में कालाधन तथा समानान्तर अर्थतंत्र—परिभाषा, आकलन, उत्पत्ति, परिणाम तथा उपचार के उपाय।

### परिशिष्ट—2

इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा में भर्ती की जा रही है, उसका संक्षिप्त व्यौरा :

1. जो उम्मीदवार सफल होंगे, उनकी नियुक्ति इस सेवा के ग्रेड-4 में परीवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परीवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशलता की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

3. परीवीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपायुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा के लिए भर्ती की जानी है उसके लिए निर्धारित वेतनमान निम्न प्रकार हैं :—

भारतीय अर्थ सेवा स्तर/पद	वेतनमान
1. वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	रु. 18400-500-22400
2. (नान-फंक्शनल सयन ग्रेड निदेशक अपर आर्थिक सलाहकार)	रु. 14300-400-18300
3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड उप आर्थिक सलाहकार/संयुक्त निदेशक	रु. 12000-375-16500
4. वरिष्ठ समय वेतनमान सहायक आर्थिक सलाहकार/उप निदेशक	रु. 10000-325-15200
5. कनिष्ठ समय वेतनमान सहायक निदेशक/अनुसंधान अधिकारी	रु. 8000-275-13500

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति समय-समय पर यथार्थ संशोधित भारतीय अर्थ सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा उसको किसी राज्य सरकार या गैर-सरकारी संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. इस सेवा के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा छुट्टी तथा इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप 'क' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगे।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ ही जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

### परिशिष्ट—3

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[1. ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं? ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षक (मेडिकल एक्जीमिनर्स) के मार्ग-निर्देशन के लिए भी हैं।

2. (क) भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

2. (ख) चिकित्सा परीक्षा दो भागों में आयोजित की जायेगी— अर्थात् भाग-I जिसमें छाती के रेडियोग्राफिक परीक्षण (एक्स-रे परीक्षण) को छोड़कर सम्पूर्ण चिकित्सा सम्मिलित है मैडिकल बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएगी और भाग-II जिसमें रेडियोग्राफिक परीक्षण (छाती का एक्स-रे परीक्षण) सम्मिलित होगा। भाग-II परीक्षा केवल उन्हीं उम्मीदवारों की की जायेगी जो परीक्षण के आधार पर सफल घोषित किए जाएंगे।]

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्र में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय-(एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवार की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के बारे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही वह उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा। फिर भी केवल उन उम्मीदवारों की उम्र की जांच की जायेगी जो एक्स-रे किया जाएगा जिनमें चिकित्सा परीक्षण के भाग II के लिए मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए जाएंगे।



3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :— वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पांचों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लग होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैड लेवल) हरिजंटल बार सेटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका :—इस प्रकार उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांच जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) निम्न कोणों (इन्फिरियर एंगल्स) से लगा और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हरिजंटल-लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा। 84—89, 86—93 आदि माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटरों से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9	6/9 या		
6/9	6/12	जे-I	जे-II

(घ) माथ्योपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्य-कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कॉन्ट्रेंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाईट ब्लाइन्डनेस)—साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है (1) विटामिन "ए" की कमी के कारण और (2) रेटिना के शरीर रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनिटिस पिगमेंटीसा होती है। उपयुक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है। साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊँची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेष तथा जब फंडस न हो तो इलक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में अधिक समय लगता है। और विशेष प्रबंध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता सम्भव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन) —

(1) आंख की उम्र बीमारी की या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का जिससे परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

(2) भेंगापन (स्काविट) : तकनीकी सेवाओं में जहां द्विनेत्री (बाइनोकलर) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(3) एक आँख : यदि किसी व्यक्ति की एक आँख अथवा यदि उसकी एक आँख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आँख की मंद दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरी बोध हेतु त्रिविध दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आँख :

(1) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे. I का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना ही बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्टर से अधिक न हो।

(2) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो।

(3) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित थे।

बशर्ते कि बोर्ड को यह सामान्य हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेन्स—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा समय कान्टेक्ट लेन्स के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आँख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए गए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की उंचाई के प्रकाश से हो।

#### 7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है :—

(1) '15 से 25 वर्ष के युवा के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों से ब्लड प्रेशर आकलन करने में 110 में आधी-आधी जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें : सामान्य नियम के रूप में 140 एम.एम. के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की और 90 एम.एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यात्मक (आर्गनिक) बीमारी है ? ऐसे सभी केसों में हृदय को एकमरे और विद्युत हृदय लेखी (इलेक्ट्रो कार्डिोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (किलेयूरैस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल

मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दबावमापी (मर्करी मेनेमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर इसके नीचे किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रकट धमनी (वेकिल आर्टरी) को दबाकर ढूँढा जाता है तब तक उसके ऊपर बीछों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम. एच. जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है। वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होता है और इसमें रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकालकर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए (कभी-कभी कफ) से हवा निकलने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है एक ग्लूकोज में अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिकल के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार

के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मैडिकल प्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए, उसकी फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का परीक्षण करना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया आपरेशन या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी दी जाती है :—

(1)	(2)
(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि ठप्प फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबेल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
(2) दोनों कानों में बहरापन या प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रव्ययंत्र (हियरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक स्पीच फ्रीक्वेंसीज में बहरापन 30 डेसिबेल तक तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य है।
(3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र।	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(2) के

(1)

(2)

अधीन विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केविटी से सब-नार्मल श्रवण।

(1) किसी एक कान के सामान्य रूप के एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार कामों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। यदि किसी भी कान श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधर कर 30 डेसिबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिए योग्य।

(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया या बिना आपरेशन वाला।

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।

(6) नासापट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनीडिफर-मिटी रहित अथवा उससे नाक की प्रदाहक/एलर्जिक दशा)।

(1) प्रत्येक मामले में परिस्थिति के अनुसार निर्णय किया जाएगा।

(2) यदि लक्षणों सहित नासापट अपसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

(1)	(2)
(7) टॉसिल्स और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(1) टॉसिल और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
(8) कान, नाक, गले (ई.एन.टी.)	(1) हल्का द्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य। (2) दुर्दम्य द्यूमर अयोग्य।
(9) आस्ट्रैक्लरोंसिस	श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीमल के अन्दर होने पर योग्य।
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।	(1) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
(11) नेजल पोलो।	अस्थायी रूप से अयोग्य।

- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं। उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रूबेर है या नहीं।
- (छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकोसील, बेरिकाजिशिरा (वन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(अ) कोई जन्त-जात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. हृदय तथा फेफड़ों की किन्हीं ऐसी असामानताओं का पता लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक परीक्षण के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण केवल उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिन्हें संबंधित भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में अंतिम रूप से सफल घोषित किया जाता है।

अभ्यर्थी के स्वास्थ्य के बारे में केन्द्रीय स्थाई चिकित्सा मण्डल (संबंधित अभ्यर्थी को चिकित्सा परीक्षा का संचालन करने वाला) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

12. सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है। उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक ब्रुटि अथवा विषयन (ऐम्बरेशन) से पीड़ित होने का सन्देह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देना चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

13. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु.-50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापिस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जायेंगे। शेष दूसरों के बारे में यह जम्मा कर लिया जायेगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 2 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में होगी और स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की गई यात्रा के लिए कोई यात्रा तथा दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि हो, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाये कि जहां प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सदस्य होंगे : (1) एक कार्य-चिकित्सक, (2) एक शल्य चिकित्सक और (3) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय सांख्यिकी सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में और भारत के बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामले में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किंतु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामले में जहां डाक्टरों बोर्ड का यह विश्वास है कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति अधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारण तथा अधिक से अधिक 6 महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

निश्चित अवधि के बाद अब दुबारा परीक्षा में तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए, उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

## (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेसन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

## 1. अपना पूरा नाम लिखें—

(साफ अक्षरों में)

## 2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं—

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैंड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है। 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताएं।

(ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुककर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दम, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो/हुई है।

4. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है ? .....

## 5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरा दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उस की आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	--	---

1.

2.

3.

यदि माता मृत्यु के समय आपकी कितनी आपकी कितनी  
जीवित हो तो माता की आयु बहनें जीवित बहनों की मृत्यु हो  
उसकी आयु और मृत्यु का हैं उनकी आयु चुकी है मृत्यु के  
और स्वास्थ्य कारण और स्वास्थ्य समय उनकी  
की अवस्था की अवस्था आयु और मृत्यु  
का कारण

1.  
2.  
3.

6. क्या इसके पहले मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा ली है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए कि  
सर्जा/किम सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा ली गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला अधिकारी कौन था ?

9. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया  
गया हो अथवा आपको मालूम हो।

11. उपर्युक्त सभी उत्तर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास  
के अनुसार सही हैं। तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में कोई गंभीर  
विकृति या किसी संगत जानकारी को छुपाने के लिए कानून के अंतर्गत  
किसी भी कार्रवाई का भागी होऊंगा। झूठी सूचनाएं देना व किसी  
महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता मानी जाएगी और मुझे सरकार  
के अंतर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा। मेरे सेवाकाल के  
दौरान किसी भी समय ऐसी जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत  
सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं  
रद्द कर दी जाएंगी।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

उपस्थिति में हस्ताक्षर.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

प्रपत्र—I

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक  
परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : ..... अच्छा ..... बीघ का

कम ..... कम पोषण पतला

..... औसत ..... मोटा

कद जूते उतार कर : ..... वजन : .....

अल्पतम वजन ..... कब था ?

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान : .....

छाती का घेरा—

(1) पूरे सांस खींचने पर : .....

(2) पूरे सांस निकालने पर : .....

2. त्वचायें ..... कोई जाहिर बीमारी

3. नेत्र :

(1) कोई बीमारी .....

(2) रतौंधी .....

(3) कलर विजन का दोष .....

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) .....

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी) .....

(6) फण्डस की जांच .....

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की क्षमता गोल वर्टल एक्सिस
---------------------	---------------	----------	-------------------------------------

दूर की नजर— दा. ने.

बा. ने.

पास की नजर— दा. ने.

बा. ने.

4. कान : निरीक्षण ..... सुनना .....

दायां कान .....

बायां कान .....

5. ग्रंथियां ..... थाइराइड

6. दांतों की हालत .....

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने  
पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता  
लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौरा दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन) गति रेट :—

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने पर .....

कुदाए जाने के दो मि. बाद .....

(क) ब्लड प्रेशर ..... सिस्टोलिक .....

..... डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : घेर ..... स्पर्शसहायता  
हर्निया —

(क) दबा कर मालूम पड़ना/लिवर .....  
तिल्ली ..... गुर्दे .....  
द्यूमर .....

(ख) रक्तांश

भगन्दर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता  
भगन्दर का संकेत .....

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)

असमानता .....

12. जलन मूत्र तंत्र (जैमिटो युरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसिल  
वरिकोसिल आदि का कोई संकेत।

मूत्र परीक्षा—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एलबूमन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की जांच एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है कि वह  
इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता  
है।

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि  
वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से  
गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना  
चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (क) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा में दक्षतापूर्वक और  
निरन्तर कार्य के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ?

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य  
है ?

टिप्पणी 1 : बोर्ड को अपने जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में  
से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) स्वस्थ

(ii) ..... के कारण अस्वस्थ

(iii) ..... के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार की छाती का एक्स-रे परीक्षण नहीं किया गया  
है, इस कारण उपर्युक्त निष्कर्ष अंतिम नहीं है और छाती  
के एक्स-रे परीक्षण की रिपोर्ट के अधधीन है।

स्थान :

अध्यक्ष

हस्ताक्षर सदस्य

दिनांक :

सदस्य

मेडिकल बोर्ड की मुहर

## प्रपत्र-II

### उम्मीदवार का कथन/घोषणा

1. अपना नाम :

(बड़े अक्षरों में)

2. रोल नम्बर :

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

### मेडिकल बोर्ड द्वारा भरे जाने के लिए

टिप्पणी : बोर्ड को उम्मीदवार की छाती के एक्स-रे परीक्षण की  
जांच रिपोर्ट निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग  
के अंतर्गत अपने निष्कर्ष रिकार्ड करना चाहिए।

उम्मीदवार का नाम .....

(i) स्वस्थ

(ii) ..... के कारण अस्वस्थ

(iii) ..... के कारण अस्थायी रूप से अस्वस्थ

स्थान :

हस्ताक्षर { अध्यक्ष  
सदस्य  
सदस्य

दिनांक :

मेडिकल बोर्ड की मुहर

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Economic Affairs)**

New Delhi, the 15th June, 2002

**RULES**

**No. 11013/1/2002-IES.**—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 2002 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the Indian Economic Service are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Physically disabled categories. Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A Candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) & (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 2002 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1972 and not later than 1st January, 1981.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates;
- (iii) upto a maximum of five years if a candidate has ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st December, 1989;
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (v) upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 2002 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 2002 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment;
- (vi) upto a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 2002 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;
- (vii) upto a maximum of 10 years in the case of blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped persons.

**NOTE 1**—Candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 6 (b) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State of J & K, blind, deaf-mute and orthopaedically handicapped etc. will be eligible for grant of



cumulative age-relaxation under both the categories.

NOTE 2—The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE 3—The age concession under Rule (5) (b) (v) and (vi) will not be admissible to Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs, who are released on their own request.

NOTE 4—Notwithstanding the provisions of age-relaxation under Rule 6(b) (vii) above, a physically handicapped candidate will be considered to be eligible for appointment only if he/she (after such physical examination as the Government or appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found to satisfy the requirement of physical and medical standard for the concerned Services/Posts to be allocated to the physically handicapped candidates by the government.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth, accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction include the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1—Candidate should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently (or at any other Examination of the Commission) on any grounds whatsoever.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a Post-graduate Degree in Economic/Applied Economics/Business Economics/Econometrics from any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE 1—Candidates who have appeared at an examination, the passing of which would render them eligible to appear at his examination but have not been informed of the result may apply for admission to the examination. Candidates who intend to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce the proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed application form which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the results of the written part of the examination.

NOTE 2—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provide that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a Foreign University which is not recognised by the Govt. may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/ appearing at the examination, their application will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission viz. Written Examination and Interview Test will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the Examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit, or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules :

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity or making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva-voce* :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for *viva-voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned by *viva-voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates for each Service will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.
- (ii) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the

Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service :

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to any relaxations/Concessions in the eligibility or selection criteria at any stage of the examination shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

14. The prescribed qualifying standards will be relaxable at the discretion of the Commission at all the stages of examination in favour of physically handicapped candidates in order to fill up the vacancies reserved for them. In case, however, the physically handicapped candidates get selected on their own merit in the requisite number at the qualifying standards fixed by the Commission for General, SC, ST and OEC category candidates, extra physically handicapped candidates i.e. more than the number of vacancies reserved for them, will not be recommended by the Commission on the relaxed standards.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Services.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo Part I of the medical examination and the candidates who are declared finally successful on the basis of this examination, may be required to undergo Part II of the medical examination. The details of Part I and II of the medical examination are given in the Appendix III to these Rules. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for the medical examination except in the case of appeal.

Note.— In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a

Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Service personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Services.

18. For being considered against the vacancies reserved for them, the physically disabled persons should have disability of Forty per cent (40%) or more. However, such candidates shall be required to meet one or more of the following physical requirements/abilities which may be necessary for performing the duties in the concerned Service :—

CODE	PHYSICAL REQUIREMENTS
F	1. Work performed by manipulating (with Fingers).
PF	2. Work performed by pulling and pushing
L	3. Work performed by lifting.
KC	4. Work performed by kneeling and Crouching.
B	5. Work performed by bending.
S	6. Work performed by sitting (on bench or chair).
ST	7. Work performed by standing.
W	8. Work performed by walking.
SE	9. Work performed by seeing.
H	10. Work performed by hearing/speaking.
RW	11. Work performed by reading and writing.

The functional classification in their case shall be, one or more of the following, consistent with the requirements of the concerned Services—

#### FUNCTIONAL CLASSIFICATION

CODE	FUNCTIONS
EL	1. Both legs affected but not arms.
BA	2. Both arms affected— (a) impaired reach (b) weakness of grip.
BLA	3. Both legs and both arms affected.
OL	4. One leg affected (R or L) (a) impaired reach (b) weakness of grip (c) ataxic.
OA	5. One arm affected (R or L) —do

BH	6. Stiff back and hips (cannot sit or stoop)
MW	7. Muscular Weakness and limited physical endurance
B	8. The blind
PB	9. Partially blind
D	10. The deaf
PD	11. Partially deaf.

## 19. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person
- shall be eligible for appointment to service :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

YOGESH CHANDRA, Adviser

## APPENDIX I

## SCHEME OF EXAMINATION

## SECTION I

The examination shall be conducted according to the following plan—

Part I—Written examination carrying a maximum of 100C marks in the subjects as shown below.

Part II—Viva voce of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks.

## PART-I

The subjects of the written examination under Part-I the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows:—

## Indian Economic Service

Sl. No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
1.	General English	100	3 hrs.
2.	General Studies	100	3 hrs.
3.	General Economics-I	200	3 hrs.
4.	General Economics-II	200	3 hrs.
5.	General Economics-III	200	3 hrs.
6.	Indian Economics	200	3 hrs.

Note—The details of standard and syllabi for the examination are given in Section II below.

2. The question papers in all subjects will be of Conventional (essay) type.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, they will be allowed the help of a scribe to write the answer for them.

5. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers, wherever required, SI units will be used.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

## PART-II

Viva-voce—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the service for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination, for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of a strict cross-examination, but of a natural, though directed and purposive conversation intended to reveal the candidates mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

## SECTION II

### STANDARD & SYLLABI

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field of Economics.

### GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

### GENERAL STUDIES

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Indian Polity including the political system and the Constitution of India, History of India and Geography of a nature which a candidate should be able to answer without special study.

### GENERAL ECONOMICS—I

1. Theory of Consumer's Demand : Cardinal Utility Analysis, Indifference Curve Analysis—Income and Substitution Effects, the Slutsky theorem—Revealed Preference Approach.

2. Theory of Production—Factors of Production—Production Functions—Forms of Production Function : Cobb-Douglas, CES and Fixed Co-efficient type—Laws of Returns—Returns to scale and returns to a factor—Partial equilibrium versus general equilibrium approach—Equilibrium of the firm and the Industry.

3. Theory of Value : Pricing under various forms of market organisation like perfect competition, monopoly, monopolistic competition and oligopoly. Public Utility Pricing : Marginal cost pricing. Peak load pricing.

4. Theory of Distribution: Macro-distribution theories of Ricardo, Mark, Kalecki, Kaldor—Neo-classical approach: Marginal Productivity theory of determination of factor prices—factor shares and the 'adding up' problem—Euler's theorem—Pricing of factors under imperfect competition.

5. Welfare Economics—Inter-personal comparison and aggregation problem. divergence between social and private welfare, compensation principle Pareto optimality,

Social choice and other recent schools, including Coase and Sen.

6. Concept of national income and social accounting—measurement of national income—Inter-relationship between three measures of national income in the presence of the Government sector and international transactions. Measuring Economic Welfare—Socio-economic indicators approach : PQLI and H.D. Index.

7. Theory of Employment, Output and Inflation—the Classical and neo-classical approaches—Keynesian theory of Employment—Post-Keynesian developments—the Inflationary gap—Demand-Pull versus Cost-push Inflation—the Phillip's Curve and its policy implications.

8. Mathematical Methods in Economics: Derivatives—basic rules of differentiation and its applications to economic functions—Optimisation (concept)—Matrices and their applications in Economics, Input-Output model (concept) Linear programming and its applications.

### GENERAL ECONOMICS-II

1. Concept of economic growth and development and their measurement—characteristics of less developed countries (LDCs) and obstacles to their development—Growth, poverty and income distribution—Theories of growth : Classical Approach — Adam Smith, Marx and Schumpeter—Neo-Classical Approach; Robinson, Solow, Kaldor and Harrod-Domar—Theories Economic Development : Rostow, Rosenstein-Rodan, Nurkse, Hirschman, Leibenstein and Arthur Lewis, Amin and Frank (Dependency school); respective role of the State and the Market.

2. International Economics : Gains from International Trade, terms of trade, trade, policy, international trade and economic development—Theories of international trade. Ricardo, Haberler, Heckscher-Ohlin and Stolper-Samuelson,—Theory of Tariffs—Regional Trade Arrangements.

3. Balance of Payments : disequilibrium in balance of payments, Mechanism of Adjustments, Foreign Trade Multiplier, Exchange rates, Import and Exchange Controls and multiple exchange rates.

4. Global institutions : UN agencies, World Bank, IMF and WTO. Multinational Corporations.

5. Money and Banking : its functions and value—Quantity Theory of Money : Cash Transaction Approach and the Cash Balances Approach, Friedman's Restatement of the Quantity Theory of Money—the instruments of monetary control—the neutrality of money—the money multiplier.

6. Statistical and Econometric methods : averages, dispersions, correlation and regression, time series, index numbers, sampling and survey methods, testing of

Hypotheses, simple non-parametric tests, drawing of curves based on various linear and non-linear functions; least square methods other multivariate analyses (only concepts and interpretation of results) : ANOVA, factor analysis, principal component analysis, discriminant analysis. Income distributions; Pareto law of distribution—log-normal distribution—measurement of income inequality—Lorenz Curve and Gini co-efficient.

### GENERAL ECONOMICS-III

1. Environment Economics : Club of Rome, Founex reports, Stockholm and Rio Earth summit reports, Convention on Biodiversity, Montreal Protocol on CFC, global warming; externalities, public goods, economic implication of various types of environmental degradation—air, noise, water pollution and exhaustion of non-renewable resources; resource accounting, biological wealth and its depletion or accretion as a part of GDP estimates and Sustainable development; remedies—regulations, taxes, market based solutions such as privatisation and pollution permits.

2. Urbanisation and migration—Lewis, Todaro; informal sector, urban labour market, urban poverty.

3. Project Appraisal : Criteria for project choices : Internal rate of return net present value and benefit—cost ratio—social rate of discount—shadow, prices of capital, unskilled labour and foreign exchange. Use of project appraisal methods in India.

4. Financial and Capital Markets : Finance and economic development—Financial Markets—stock market gilt market, foreign exchange market—Banking and insurance.

5. Fiscal policy and its objectives—limitations of fiscal policy—theories of taxation and expenditure—objectives and effects of public expenditure—effects and incidence of taxation—deficit financing—theory of public debt, debt management, complementarity of monetary and fiscal policy with debt.

6. State, Market and Planning : concept and types of planning—rationale of planning in a developing economy—limitations of planning, economics of regulation, decentralised planning.

### INDIAN ECONOMICS

1. History of development and planning—alternative development strategies—goal of self-reliance based on import substitution and the post-1991 globalisation strategies based on stabilisation and structural adjustment packages.

2. (a) Decentralised Planning : Panchayat experience—constitutional obligations, Balawantrao Mehta Committee, Asoka Mehta Committee and other reports, Financial aspects of 73rd and 74th constitutional amendments.

(b) Union-State financial relations : Constitutional provisions relating to fiscal and financial powers of the states, Financial aspect of Sarkaria Commission Report, Finance Commissions and their formulae for sharing taxes.

3. Poverty, Unemployment and Human Development during plan period—Appraisal of Government measures—India's human development record in global perspective.

4. Agriculture and Rural Development : Strategies including those relating to technologies and institutions: land relations and land reforms, rural credit, modern farm inputs and marketing—price policy and subsidies; commercialisation and diversification. Rural development programmes including poverty alleviation programmes : development of economic and social infrastructure.

5. India's experience with Urbanisation and Migration—Different types of migratory flows and their impact on the economies of the origin and the destination, the process of growth of urban settlements : urban strategies.

6. Industry : Strategy of industrial development—Industrial Policy Reform; Reservation Policy relating to small scale industries. Sources of industrial finances—bank, share market, insurance companies, pension funds, non-banking sources and foreign direct investment; role of foreign capital for direct investment and portfolio investment. Public sector reforms, privatisation and disinvestment.

7. Labour : Employment, unemployment and under-employment industrial relations and labour welfare—strategies for employment generation—Urban labour market and informal sector employment; Report of National Commission on labour, Social issues relating to labour e.g. Child labour, Bounded labour.

8. Foreign Trade Salient features of India's foreign trade—composition, direction and organisation of trade : recent changes in trade policy; Balance of payments, tariff policy, exchange rate and WTO requirements.

9. Money and Banking : Organisation of India's money market—changing roles of the Reserve Bank of India, commercial banks, development finance institutions, foreign banks and non-banking financial institutions.

10. Budgeting and Fiscal Policy : Tax, expenditure, budgetary deficits, debt and fiscal reforms. Black money and Parallel economy in India—definition, estimates, genesis, consequences and remedies.

### APPENDIX-II

Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination.

1. Candidates selected for appointment to the service will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if

necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent, appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for the Service to which the recruitment is being made are as follows:

Indian Economic Service

Level/Post	Pay scale
1. Senior Administrative Grade	Rs. 18400-500-22400
2. (Non-Functional Selection Grade Director/Addl. Economic Adviser)	Rs. 14300-400-18300
3. Junior Administrative Grade Dy. Economic Adviser/Jt. Director	Rs. 12000-375-16500
4. Senior Time Scale Asstt. Economic Adviser/ Dy. Director	Rs. 10000-325-15200
5. Junior Time Scale Asstt. Director/Research Officer.	Rs. 8000-275-13500

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the Provisions of Indian Economic Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Condition of service, leave and pension, etc. for officers of the Service will be governed by the rule applicable to members of other Central Civil Service Group 'A'.

8. Condition of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central

Service) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

### APPENDIX-III

#### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[1. These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2 (a). The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

2 (b) The medical examination shall be conducted in two parts, i.e. Part I which shall consist of the entire medical examination which the medical board may prescribe for a candidate, except the Radiographic Examination of the chest (X-ray test) and Part II which shall consist of Radiographic Examination (X-ray test of the chest). The Part II shall be conducted only in respect of the candidates who have been declared finally successful on the basis of the examination].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

However, the X-ray of the chest will be done in respect of only such candidates who are directed to appear before the medical board for Part II of the medical examination.

3. The candidates height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard. The chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and part of a centimetre to halves.

4. The candidates chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so

adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the ape. The candidate will then be directed to take deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N. B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighted, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses:—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
6/9	or 6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) Field of Vision.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) Night Blindness.—Broadly there are two types of night blindness: (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis Pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in

this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography), are time consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) Ocular condition, other than visual acuity.—

(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) Squint.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) One eye.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has:—

(i) 6/6 distant vision and J-1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) Contact Lenses.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

#### 7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15-25 years of the age the average is about 100 plus the age.

With Subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.



N.B.— As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure, is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidates will, however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury monometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of clothes bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The branchial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard or at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. The 'Silent Gap' may cause error on reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. It expect for the glycosuria the Board finds the candidate confirm to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being

non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A Woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard:—

- |  |  |
|--|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.                              | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.  |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical job if the deafness is upto 30 decibels in speech frequency of 1000 to 4000.  |
| (3) Perforation tympanic membranc of central or marginal type.                               | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit.<br>Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given chance by declaring him temporarily unfit and then he may be consi- |

- dered under 4(ii) below :
- (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
- (iii) Central perforation in both ears—Temporarily Unfit.
- (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. (i) Either ear normal hearing in other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.  
(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
- (5) Persistently/discharging ear operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non technical jobs.
- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual case.  
(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.  
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (8) Benign or locally malignant tumours of the ENT (i) Benign tumours—temporarily Unfit.  
(ii) Malignant tumours Unfit.
- (9) Otosclerosis If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
- (10) Congenital defects of ear, nose or throat (i) If not interfering with functions—Fit.  
(ii) Stuttering of severe degree - Unfit.
- (11) Nasal Poly Temporarily Unfit.
- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin-disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.
11. Radiographic examination of the chest for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination will be restricted to only such candidates who are declared finally successful at the concerned Indian Statistical Service Examination.
- The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.
12. In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.
- When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with efficient performance of the duties which will be required of the candidate.
13. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate

Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible to the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the M/O Statistics and Programme Implementation as the case may be on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a Physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for

rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board. In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In case of candidates who are to be declared "Temporarily unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given. (a) Candidate's statement and declaration,

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full .....  
(in block letters) .....
  2. State your age and birth place.....
  3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'yes' state the name of the race. ....
  - (b) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung diseases, faintings attacks, rheumatism appendicitis .....
- or
- Any other disease of accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment? .....
4. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause .....

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at death and cause of death
--	--	--	--

1.  
2.  
3.

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at death and cause of death
--	--	---	---

1.  
2.  
3.

6. Have you been examined by a Medical Board before? .....
7. If answer to above is 'yes' please state what Service/ Services, you were examined for? .....
8. Who was the examining authority? .....
9. When and where was the Medical Board held? .....
10. Results of, the Medical Board's examination, if communicated to you or if, known. ....

11. All the above answers, are to the best of my knowledge & belief, true and correct and I shall be liable for action under law for any, material infirmity in the information furnished by me, or suppression of relevant material information. The furnishing of false information or suppression of any factual information would be a disqualification and is likely to render me unfit for employment under the Government. If the fact that false information has been furnished or that there has been suppression of any factual information comes to notice at any time during my service, my services would be liable to be terminated.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

# PROFORMA-I

Report of the Medical Board on (name of candidate)  
physical examination .....

1. General development ..... Good ..... fair .....  
Poor ..... Nutrition : Thin  
Average ..... Obese ..... Height (without shoes) ..... weight ..... Best  
Weight ..... When? ..... any recent change in weight? ..... Temperature .....

Girth of Chest :

(1) After full inspiration .....

(2) After full expiration .....

2. Skin any obvious disease .....

3. Eyes :

(1) Any disease .....

(2) Night blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity .....

(6) Fundus examination .....

Acquity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis

Distant Vision

R. E.

L. E.

Near Vision

R. E.

L. E.

4. Ears : Inspection ..... Hearing : Right Ear .....

Left Ear .....

5. Glands ..... Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs? If yes, explain fully .....

8. Circulatory System

(a) Heart : Any organic lesions? ..... Rate Standing .....

After hopping 25 times .....

2 minutes after hopping .....

(b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....

9. Abdomen : Girth ..... Tenderness  
Hernia .....

(a) Palpable : Liver ..... Spleen .....  
Kidneys ..... Tumours .....

(b) Haemorrhoids ..... Fistula .....

10. Nervous System Indication of nervous or mental disabilities .....

11. Loco-Motor System : Any abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance .....

- (b) Sp. Gr.....  
 (c) Albumen.....  
 (d) Sugar.....  
 (e) Casts.....  
 (f) Cells.....

## PROFORMA-II

## Candidate's Statement/Declaration

1. State your Name :  
 (in block letters)

2. Roll No.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note: In case of female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respect for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service?

- (ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

Note (I) : The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit.....  
 (ii) Unfit on account of.....  
 (iii) Temporarily unfit on account of.....

Note (II) : The candidate has not undergone chest X-ray test. In view of this, the above findings are not final and are subject to the report on chest X-ray test.

Place :

Date :

Signature { Chairman  
 Member  
 Member  
 Seal of the Medical Board

## To be filled-in by the Medical Board

Note: The Board should record their findings under one of the following three categories in respect of chest X-ray test of the candidate.

Name of the Candidate.....

- (i) Fit.....  
 (ii) Unfit on account of.....  
 (iii) Temporarily unfit on account of.....

Place :

Date :

Signature { Chairman  
 Member  
 Member  
 Seal of the Medical Board

